दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 06 जून 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 245

अंतर्राष्ट्रीय

आखिरकार पाकिस्तान की अकड़ निकली, विदेश मंत्री बोले- 'भारत के साथ व्यापक बातचीत चाहते हैं'

कराची । भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद सीमा पर हालात सामान्य बने हुए हैं। हालांकि, अभी भी दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, सिंधु जल समझौता खत्म होने के बाद पाकिस्तान पानी के लिए तरस रहा है। इस बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि दोनों देशों के बीच दोबारा सैन्य संघर्ष शुरू होने की आशंका बेहद कम है। इसके साथ ही उन्होंने पानी सहित कई मुद्दों पर भारत के साथ बड़े स्तर की बातचीत की इच्छा भी जाहिर की है। इशाक डार ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापक बाचतीच चाहते हैं, जिसमें पानी सहित कई मुद्दे शामिल हैं, लेकिन भारत सिर्फ आतंकवाद पर बातचीत करना चाहता है। ऐसे नहीं होता है। इस्लामाबाद में न्यूज कॉन्फ्रेंस के दौरान डार ने कहा कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन आतुर नहीं हैं।

सैन्य संघर्ष की आशंका कम

इशाक डार से जब दोनों देशों के बीच दोबारा सैन्य संघर्ष की आशंका पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है। डार ने कहा कि सीजफायर हो चुका है। दोनों देशों के सैनिकों के लौटने की प्रक्रिया पूरी हो चुकि है। ऐसे में सैन्य संघर्ष दोबारा शुरू होने की आशंका बेहद कम है। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम बरकरार है। हालांकि, सैन्य संघर्ष की आशंका को सिरे से खारिज करने की बजाय उन्होंने कहा कि लवह भविष्य नहीं बता सकते।

पहलगाम हमले के बाद बिगड़ी बात

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में चार हथियारबंद आतंकियों ने निहत्थे और निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी। इस घटना में 26 लोग मारे गए थे। हमलावरों ने पाकिस्तान में ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद भारत ने सिंधु जल समझौता रद्द करने समेत कई प्रतिबंध लगाए। पाकिस्तानी नागरिकों को उनके देश लौटने के लिए कहा और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने थीं। लगभग चार दिन तक दोनों देश एक-दूसरे पर हवाई हमले करते रहे। इसके बाद पाकिस्तानी डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से बातचीत की और सीजफायर पर सहमति बने। इससे पहले दोनों देशों की तरफ से एक-दूसरे पर कई मिसाइस और ड्रोन दागे गए थे।

अफगानिस्तान, म्यांमार, ईरानज् ट्रंप ने 12 देशों के लोगों की अमेरिका में एंट्री पर लगाए प्रतिबंध, 7 देशों पर आंशिक पाबंदी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत 12 देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके अलावा 7 अन्य देशों से आने वाले लोगों पर आंशिक पाबंदियां लगाई गई हैं। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजऱ लिया गया है। जिन देशों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं उनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल है। इन देशों के नागरिक अब अमेरिका में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। प्रतिबंध सोमवार सुबह 12:01 बजे से लागू हो गया है। वहीं जिन देशों पर आंशिक पाबंदी लगाई गई है उनमें बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला जैसे देश हैं। इन देशों के नागरिकों को अमेरिका आने के लिए अब कड़ी जांच और विशेष शर्तों का पालन करना होगा।

पंजाब के फिरोजपुर में गैंगवार, सरेआम चली गोलियां, एक की मौत

फिरोजपुर (आरएनएस)। पंजाब के फिरोजपुर में माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब दो गुटों के बीच गैंगवार हो गई। जानकारी के अनुसार इस गैंगवार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस गैंगवार की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सफेद कार में सवार होकर आए युवक द्वारा सरेआम गोलियां चलाई जाती है। वहीं, दूसरी गली में मुंह ढके 2 नौजवानों द्वारा फायरिंग की गई। इस दौरान गाड़ी में सवार होकर एक नौजवान आता है और एक्टिवा पर उसके साथ सवार होकर निकल जाता है। घटना के दौरान नौजवानों की तरफ से गोलियां चलाई जाती है। जानकारी के अनुसार मृतक आशीष चोपड़ा गैंग का सदस्य बताया जा रहा है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अब राम लला के साथ करें राम दरबार के दर्शन, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

अयोध्या । आरएनएस

अयोध्या में एक नया अध्याय और जुड़ गया। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य मंदिर में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा की। इस मौके पर वैदिक मंत्रों की ध्वनि चारों दिशाओं में गुंजायमान रही। आचार्यों और संतों का स्वर, शंखध्वनि ने अध्यात्म का माहौल बना दिया। अब लोगों को यहां राम लला के साथ ही उनके भव्य दरबार के भी दर्शन होंगे।

अभिजीत मुहूर्त, वेदघोष और मंत्रोच्चार की ध्वनि के बीच अयोध्या में गंगा दशहरा के अवसर पर श्रीराम दरबार सहित समस्त नवनिर्मित देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हुए इस त्रिदिवसीय अनुष्ठान का यह अंतिम दिन था, जिसमें वैदिक परंपरा और आधुनिक तकनीक का दुर्लभ संगम देखने को मिला।

आयोजन का समापन विशेष आरती और भंडारे के साथ हुआ। बुधवार सुबह प्रात: 6:30 बजे यज्ञमंडप में आह्वानित देवताओं के पूजन के साथ अनुष्ठान की विधिवत शुरुआत हुई। दो घंटे चले इस पूजन के बाद सुबह 9 बजे से हवन प्रारंभ हुआ, जो लगभग एक घंटे तक चला। इसके बाद सभी नवनिर्मित देवालयों में केंद्रीयकृत दृश्य और श्रव्य माध्यमों की सहायता से एक साथ प्राण प्रतिष्ठा का पावन कार्य सम्पन्न हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत मंदिर परिसर के विभिन्न भागों में स्थित देवविग्रहों में विधिपूर्वक प्राणस्थापन किया गया। इनमें प्रमुख रूप से श्रीराम दरबार, शेषावतार, परकोटा के ईशान कोण पर शिव मंदिर, अग्निकोण में गणेश जी, दक्षिणी भुजा में हनुमान जी, नैऋत्य कोण में सूर्य देव, वायव्य कोण में मां भगवती तथा उत्तरी भुजा में अन्नपूर्णा माता की मूर्तियां शामिल हैं।

पूरे मंदिर परिसर को दृश्य माध्यमों (कैमरा एवं स्क्रीन) के माध्यम से एकीकृत किया गया था, जिससे सभी देवालयों में एक ही समय पर मंत्रोच्चार की सामूहिक गूंज के साथ प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हो सकी। प्राण प्रतिष्ठा के इस आयोजन में बड़ी संख्या में संत-महात्मा, वैदिक आचार्य, रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी और आम श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित होने वाले राम दरबार की महिमा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि स्थापत्य की दृष्टि से भी अतुलनीय होने जा रही है। राम दरबार का निर्माण जिस संगमरमर पत्थर से हुआ है।

पाकिस्तानी नागरिक को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक 'तो वापस चले जाओ'

नई दिल्ली । आरएनएस

गोवा में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिक की याचिका पर कोर्ट में सुनवाई की गई। पाकिस्तानी नागरिक के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 2016 से गोवा में रह रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने अचानक से एक दिन पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर उन्हें वापस जाने के लिए कह दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'फिर वापस चले जाओ।'

दरअसल पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन लिए। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा रद करने का फैसला भी शामिल था। गोवा में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक ने अदालत ने याचिका लगाकर इस फैसले का विरोध किया था। याचिका को अर्जेंट मैटर के तौर पर दाखिल किया गया। यह मामला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष पहुंचा।

अदालत के यह कहने पर कि आप वापस चले जाए, वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता वापस चला जाएगा, लेकिन उसकी बात सुनी जा सकती है। इसके बाद अदालत ने पूछा कि याचिकाकर्ता ने अधिकार क्षेत्र वाले हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। इस पर वकील ने जवाब दिया कि पुलिस याचिकाकर्ता के पास आई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया। इसके पहले एक मामले की सुनवाई में अदालत ने एक परिवार के 6 सदस्यों को वीजा खत्म होने के बाद भी देश में रहने के आरोप में पाकिस्तान न भेजने को कहा था, जब तक उनकी नागरिकता के दावे का सत्यापन न हो जाए।

आईआरसीटीसी अकाउंट को आधार से करना होगा लिंक, रेलवे के फैसले से फर्जी टिकट बुकिंग पर लगेगा लगाम

नई दिल्ली । आरएनएस

यात्रियों की तत्काल टिकिट बुक करने की समस्या कम होने वाली है। जल्द ही टिकट बुकिंग के वक्त ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्रग के जरिए इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा इस नियम से जरूरतमंद और असली यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकेगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की धांधली और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी। दरअसल अगर आपका आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक होगा, तो आपको तत्काल टिकट बुक करने में पहले 10 मिनट में मौका मिलेगा। आईआरसीटीसी एजेंट पहले 10 मिनट में टिकट बुक नहीं कर सकते, यानी आम यात्रियों को पहले मौका मिलेगा।

दरअसल रेलवे ने पाया है कि बहुत सारे लोग टिकट बुक करने के लिए ऑटोमेटिक सॉफ्टवेयर (बॉट्स) का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे आम लोगों को टिकट नहीं मिल पाता। इसी वजह से रेलवे ने सख्ती शुरू कर दी है। सख्ती के तहत रेलवे ने 6 महीने में 2.4 करोड़ फर्जी अकाउंट बंद कर दिए हैं। 20 लाख और अकाउंट की जांच चल रही है। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर इस समय करीब 13 करोड़ एक्टिव यूज़र हैं, लेकिन इनमें से केवल 1.2 करोड़ अकाउंट ही आधार से जुड़े हुए हैं। अब रेलवे बाकी के लगभग 11 करोड़ 80 लाख अकाउंट की विशेष जांच करेगा। जो अकाउंट संदिग्ध पाए जाएंगे, उन्हें ब्लॉक कर दिया जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ हादसा

सीएम , डिप्टी सीएम और क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलुरु । आरएनएस

आईपीएल 2025 में पहली बार खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न बुधवार को दर्दनाक हादसे में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए जमा हुई भारी भीड़ में मची भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।

घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कब्बन पार्क थाने में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार और क्रिकेट बोर्ड के पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इन पर भारी लापरवाही का आरोप लगाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 106 के तहत केस दर्ज करने की मांग की है।

चश्मदीद बोले- जो गिरा, वो उठ नहीं पाया

चश्मदीदों के अनुसार, भगदड़ इतनी भयानक थी कि जो व्यक्ति गिरा, वह फिर उठ नहीं सका। भीड़ के कारण एंबुलेंस भी समय पर नहीं पहुंच पाई। लोग घायलों को सडक़ पर ही सीपीआर देते देखे गए। एबीएम मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में पांच महिलाएं और छह पुरुष शामिल हैं, जिनकी उम्र 13 से 33 वर्ष के बीच है। इनकी मौत सिर, रीढ़ और पेट में गंभीर चोट लगने से हुई।

मुख्यमंत्री बोले- हादसे का बचाव नहीं, पर तुलना गलत

हादसे के बाद शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा हूं, लेकिन देश में पहले भी बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई थी। उन्होंने हालांकि यह भी स्वीकार किया कि इससे सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। विपक्षी भाजपा ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की है।

पीएम के जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले एनआईए की बड़ी कार्यवाई, पुलवामा-कुलगाम सहित कई जिलों में की छापेमारी

श्रीनगर । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रशासित प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की। यह छापेमारी आतंकी साजिश से जुड़े एक मामले की जांच के तहत की गई है।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीमों ने पुलवामा, कुलगाम, शोपियां, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई उन व्यक्तियों और नेटवर्क के खिलाफ की जा रही है जो आतंकियों और उनके ओवरग्राउंड वर्करों के संपर्क में हैं। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है और न ही औपचारिक रूप से हिरासत में लिया गया है, लेकिन एनआईए ने पांच लैपटॉप, करीब डेढ़ दर्जन मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल डिवाइसेज और वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं।

जिन लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली गई, उनमें एक अध्यापक, एक छात्रा और कुछ कारोबारी शामिल हैं। जांच एजेंसी को इन सभी के पाकिस्तानी हैंडलरों और गुलाम जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकी संपर्कों से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। इससे पहले एसआईए ने भी जम्मू संभाग के चार जिलों में 18 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। एनआईए और एसआईए की ये संयुक्त कार्रवाई आतंकी तंत्र, ओवरग्राउंड नेटवर्क और स्लीपर सेल के खात्मे के मिशन का हिस्सा है।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्यवाई, तरनतारन में हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़; आईएसआई से जुड़े दो बदमाश छह पिस्तौल सहित गिरफ्तार

तरनतारन (आरएनएस)। पंजाब के तरनतारन में पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए तरनतारन पुलिस ने लखना गांव से सूरजपाल सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया। इनके पास से अत्याधुनिक छह पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपियों के सभी संपर्कों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ऐसे मॉड्यूल को बेअसर करने और राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने की शादी, बीजेडी के पिनाकी मिश्रा बने जीवनसाथी

नई दिल्ली । आरएनएस

तृणमूल कांग्रेस की तेजतर्रार लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता और पुरी से लोकसभा सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली। इस खबर को लेकर पार्टी और खुद सांसद ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह शादी जर्मनी में हुई। दोनों की तस्वार भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वह पारंपरिक परिधान और सोने के गहनों से सजी हुई हैं। इसी तस्वीर ने इस गुपचुप शादी की पुष्टि कर दी है। हालांकि, अब तक आधिकारिक तौर पर न तो महुआ और न ही उनकी पार्टी की ओर से कोई बयान आया है। महुआ मोइत्रा की निजी जिंदगी पहले भी सुर्खियों में रही है। उन्होंने डेनमार्क के फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से शादी की थी, जिनसे बाद में उनका तलाक हो गया। इसके बाद वे तीन वर्षों तक वकील जय अनंत देहाद्रई के साथ रिश्ते में रहीं, जिसे उन्होंने बाद में धोखा खाया प्रेमी कहा था। महुआ का पहला लोकसभा कार्यकाल एक बड़े विवाद की भेंट चढ़ गया था। उन पर आरोप लगे कि उन्होंने कारोबारी गौतम अडाणी के खिलाफ सवाल एक प्रतिद्वंद्वी उद्योगपति के कहने पर उठाए। नवंबर 2023 में जब संसद उन्हें निष्कासित करने की दिशा में बढ़ रही थी, तब एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, मर्दों के मामले में मेरी पसंद बहुत खराब है।

गंगा दशहरा पर काशी, प्रयागराज में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालु

वाराणसी/ प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के काशी और प्रयागराज में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गुरुवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यह उत्सव ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां गंगा का अवतरण स्वर्ग लोक से धरती पर हुआ था। गुरुवार की सुबह तडक़े से ही दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना और पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गंगा स्नान के साथ ही श्रद्धालुओं ने दीपदान, गंगा आरती और मंत्रोच्चार के माध्यम से गंगा मैया से सुख-शांति और मोक्ष की कामना की। घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैद रहा। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें भी घाटों पर तैनात की गईं। काशी की गलियों से लेकर घाटों तक आज का दिन भक्ति भाव और गंगा मैया की जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि गंगा दशहरा पर काशी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है, जिससे सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा वह दिन है जब गंगा नदी का धरती पर अवतरण हुआ था, और इसी दिन को मां गंगा के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

दशाश्वमेध घाट के तीर्थपुरोहित विवेकानंद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि ज्येष्ठ माह का शुक्ल पक्ष है। इस दिन को गंगा दशहरा के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भागीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए मां गंगा की आराधना कर उनको प्रसन्न किया और मां गंगा को धरती पर लेकर आए। श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं और मोक्ष पाने के लिए गंगा जी में डुबकी लगाते हैं। गुजरात के राजकोट से आए महंत विजय महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में गंगा दशहरा का बहुत महत्व है। आज ही के दिन गंगा जी धरती पर अवतरित हुई थीं।

इसी क्रम में गंगा दशहरा का पर्व संगम नगरी प्रयागराज में भी पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रयागराज में गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु आए हुए हैं और ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के साथ ही पूजा अर्चना और दान पुण्य भी कर रहे हैं।

श्रद्धालु महंत गोपाल ने कहा कि गंगा दशहरा के दिन भागीरथ के पूर्वजों के मोक्ष के लिए मां गंगा स्वर्ग लोक से मृत्युलोक में आईं। हम सब भाग्यशाली है जो इस दिन गंगा मां की पूजा अर्चना कर मोक्ष की याचना करते हैं। इस उत्सव के दौरान लोगों के 10 तरह के पाप से मुक्ति मिलती है। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा नाम दिया गया है। गंगा स्थान करने वाले श्रद्धालु के पितरों को भी मुक्ति मिलती है। प्रयागराज में एक रुपये के दान का लाभ एक लाख रुपये के बराबर माना जाता है। सीता जी ने मां गंगा को जगत जननी का नाम दिया है।

एक श्रद्धालु का कहना है, हम गंगा दशहरा के अवसर पर पवित्र स्नान करने के लिए संगम में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के तट पर आए हैं। इस स्नान से पितर भी प्रसन्न होते हैं। महाकुंभ के आयोजन के बाद से लोगों में अध्यात्म बढ़ा हुआ है।